

विद्या- भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग शिक्षिका-तृतीय, विषय-शैक्षणिक गतिविधि, दिनांक-15-01-2021

सुप्रभात बच्चों,



एक मेंढक पहाड़ की चोटी पर चढ़ने का सोचता है और आगे बढ़ता है बाकी के सारे मेंढक शोर मचाने लगते हैं" ये असंभव है.आज तक कोई नहीं चढ़ा.ये असंभव है.नहीं चढ़ पाओगे" मगर मेंढक आखिर पहाड़ की चोटी पर पहुँच ही जाता है.जानते हैं क्यों? क्योंकि वो मेंढक" बहरा" होता है.और सारे मेंढकों को चिल्लाते देख सोचता है कि सारे उसका उत्साह बढ़ा रहे हैं इसलिए अगर आपको अपने लक्ष्य पर पहुँचना है तो नकारात्मक लोगों के प्रति "बहरे" हो जाइए ।

दिए, गए कहानी पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।